to refrain from using the stream water for a day and checks showed that within two hours the caustic level in the water had come down within passable limits. Thus, no health hazard was caused owing to the spillage.

- (b) Neither aluminium power nor aluminium was used to stop the spillage.
 - (c) to (e). Do not arise.

Language of Mortgage Deed on property for housing loans for L.I.C. employees

793. SHRI SUNIL MAITRA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that L.I.C. insists on Mortgage Dead in English Language on the property for grant of housing loan even to its permanent employees; and
 - (b) if so, the reasons thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGABHAI BAROT): (a) and (b). The information is being gathered and would be laid on the Table of the House as soon as it is available.

ोन्द्रीय सरकारी कर्नचाियों को बाह अग्रिम राशिः

794. श्री रासावतार शास्त्री : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का उन राज्यों में रहने वाले सरकारी कर्मचारियों को बाढ-स्रग्रिम राशि देने का विचार है जो बाढ़ से प्रभावित हैं जिसके परिणाम-स्वरूप जान माल की बहुत क्षति हुई है ;

- (ख) यदि हां, तो यह कब तक दे दिया जाएगा: ग्रौर
- (ग) क्या सरकार का इस समय बढ़ी हुई कीमतों को देखते हुए बाढ़ ग्रग्रिम राशि रु० 500/-से बढ़ा कर रु० 1000/ करने ग्रौर उसके 50 किस्तों में वसूली के ग्रादेश जारी करने का विचार है ग्रौर यदि नहीं, तो तत्सम्बन्धी कारण क्या है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सवाई सिंह सिसोदिया): (क) ग्रीर (ख). सामान्य वित्तीय नियमावली के नियम 247 के अन्तर्गत कार्यालयाध्यक्षों को स्रपने प्रशासनिक नियंत्रणाधीन उन ग्रराजपितत केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को, जिनकी चल ग्रथवा ग्रचल सम्पत्ति बाढ से प्रभावित ग्रथवा क्षतिग्रस्त हो गई है, तीन महीने का ग्रग्रिम वेतन ग्रथवा 500/- रुपये, इन में से जो भी कम हो, मंजुर करने की शक्तियां प्रत्यायोजित की की गई हैं, बशर्ते कि संबंधित राज्य की सरकार ने, जहां पर बाढ़ ग्राई है, उन क्षेत्रों को बाढ से प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया हो, तथा उसने ग्रपने कर्म-चारियों को वित्तीय सहायता भी दी हो। तदनसार सरकार के कोई ग्रौपचारिक म्रादेश जारी करने की म्रावश्यकता नहीं है। फिर भी संबन्धित राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया है कि वे बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों तथा उनके द्वारा अपने कर्मचारियों को दी गई वित्तीय सहायता की सूचना दें।

(ग) जी नहीं। चुंकि जहां पर बाढ ग्राती है वहां के सम्बन्धित स्थानीय निकाय तथा राज्य सरकारें ग्राम जनता को, जिनमें सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं, सहायता देती हैं इसलिए ग्रग्रिम की माला में वृद्धि करना उचित नहीं समझा गया।